

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ वृक्षारोपण, योग पर हुए व्याख्यान



रात में 11 से 6.00 बजे के बीच बिस्तर पर होना चाहिए क्योंकि इस समय हमारे शरीर में कई प्रकार की क्रियाएं होती हैं जो हमको रिफ्रेश करती हैं। इसी क्रम में प्रकृति का महत्व: वृक्षों की उपयोगिता एवं पर्यावरण संरक्षण पर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया जिसमें 51 पोस्टर, 54 स्लोगन के चार्ट और 20 अन्य पौधों के महत्व से संबंधित फ्लेक्स भी प्रदर्शित किये गए। विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधों के उपयोग के बारे में डॉ. कौशल कुमार ने तथा शोभाकारी एवं पुष्प वाले पौधों के रोपण के बारे में डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी ने तथा भारतीय संस्कृति का पर्यावरण संरक्षण में योगदान पर प्रोफेसर सर्वेश कुमार द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। डॉ. सीमा सोनकर, अधिष्ठाता गृहविज्ञान संकाय, डॉ. विजय वादव, डॉ. सरवेन्द्र गुप्ता प्रो. अभिलेश मिश्रा, प्रो. राम जी गुप्ता, डॉ. विनीता, डॉ. रश्मि, डॉ. अर्चना के साथ 250 से अधिक छात्र छात्राओं के साथ अन्य शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सर्वेश कुमार ने किया। विश्वविद्यालय में इस अवसर पर 300 से अधिक पौधों का रोपण भी किया गया।

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(संजय मौर्य)

कुलाधिपति उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से प्राप्त निदेशों एवं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह से प्राप्त मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग) कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में विरासत से विकास: योग

का प्राचीन ज्ञान और आधुनिक जीवन में महत्व पर एक व्याख्यान का आयोजन प्रो. कौशल कुमार, अधिष्ठाता यानिकी महाविद्यालय एवं प्रो. विवेक कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता उद्यान महाविद्यालय द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता योगसाधक श्री अशित प्रताप सिंह (अशित योग संस्थान, कानपुर) के द्वारा छात्रों को योग के इतिहास के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने बताया कि योग

लगभग 15000 वर्ष पूर्व भगवान शिव के अवतार आदियोगी के द्वारा हिमालय क्षेत्र में सप्त ऋषियों को दिया गया। उन्होंने आगे बताया कि शरीर में तीन प्रमुख नाड़ीया जिनमें चंद्र नाड़ी (बाई नासिका), सूर्य नाड़ी (दाई नासिका) और सुषुम्ना (सरस्वती नाड़ी), जो हमारे मूलधार के पास स्थित है, को योग के द्वारा सही रखकर स्वास्थ्य रह सकते हैं। उन्होंने छात्रों को बताया कि हमको

सत्य का असर समाचार पत्र

06,06,2025 jksingh hardoi Gmail com मोबाइल नंबर 9956834016

पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ वृक्षारोपण, योग पर हुए व्याख्यान



पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र मा. कुलाधिपति उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीवेन पटेल जी से प्राप्त निर्देशों एवं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह से प्राप्त मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग) कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में विरासत से विकास: योग का प्राचीन ज्ञान और आधुनिक जीवन में महत्व पर एक व्याख्यान का आयोजन प्रो. कौशल कुमार, अधिष्ठाता वानिकी महाविद्यालय एवं प्रो. विवेक कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता उद्यान महाविद्यालय द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता योगसाधक श्री अंशित प्रताप सिंह (अंशित योग संस्थान, कानपुर) के द्वारा छात्रों को योग के इतिहास के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने बताया कि योग लगभग 15000 वर्ष पूर्व भगवान शिव के अवतार आदियोगी के द्वारा हिमालय क्षेत्र में सप्त ऋषियों को दिया गया। उन्होंने आगे बताया कि शरीर में तीन प्रमुख नाड़ीया जिनमें चंद्र नाड़ी (बाई नासिका), सूर्य नाड़ी (दाई नासिका) और सुषुम्ना (सरस्वती नाड़ी), जो हमारे मूलाधार के पास स्थित है, को योग के द्वारा सही रखकर

स्वास्थ्य रह सकते हैं। उन्होंने छात्रों को बताया कि हमको रात में 11 से 6.00 बजे के बीच बिस्तर पर होना चाहिए क्योंकि इस समय हमारे शरीर में कई प्रकार की क्रियाएं होती हैं जो हमको रिफ्रेश करती है। इसी क्रम में प्रकृति का महत्व: वृक्षों की उपयोगिता एवं पर्यावरण संरक्षण पर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया जिसमें 51 पोस्टर, 54 स्लोगन के चार्ट और 20 अन्य पौधों के महत्व से संबंधित पलेक्स भी प्रदर्शित किये गए। विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधों के उपयोग के बारे में डॉ. कौशल कुमार ने तथा शोभाकारी एवं पुष्प वाले पौधों के रोपण के बारे में डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी ने तथा भारतीय संस्कृति का पर्यावरण संरक्षण में योगदान पर प्रोफेसर सर्वेश कुमार द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। डॉ. सीमा सोनकर, अधिष्ठाता गृहविज्ञान संकाय, डॉ. विजय यादव, डॉ. सरवेन्द्र गुप्ता प्रो. अभिलेश मिश्रा, प्रो. राम जी गुप्ता, डॉ. विनीता, डॉ. रश्मि, डॉ. अर्चना के साथ 250 से अधिक छात्र छात्राओं के साथ अन्य शिक्षको ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो सर्वेश कुमार ने किया। विश्वविद्यालय में इस अवसर पर 300 से अधिक पौधों का रोपण भी किया गया।

आ रहे हैं। 70 फीसदी अंका तक में दारिद्र्यला... योग के बारे में 25 और नीचे...
अमर उजाला 06/06/2025

योग का इतिहास व महत्व की दी जानकारी

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तहत होने वाले कार्यक्रमों के क्रम में गुरुवार को व्याख्यान का आयोजन हुआ। विरासत से विकास योग का प्राचीन ज्ञान और आधुनिक जीवन में महत्व इसका विषय रहा। इस दौरान योग का इतिहास और इसके महत्व को बताया गया।

शुभारंभ प्रो. कौशल कुमार, अधिष्ठाता वानिकी महाविद्यालय एवं प्रो. विवेक कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता उद्यान महाविद्यालय ने किया। मुख्य वक्ता योगसाधक अंशित प्रताप सिंह ने छात्रों को योग का इतिहास और महत्व के बारे में जानकारी दी। बताया कि योग लगभग 15000 वर्ष पूर्व भगवान शिव के अवतार आदित्योगी के हिमालय क्षेत्र में सप्त ऋषियों को दिया गया। कहा कि योग से शरीर



योग के बारे में जानकारी देते वक्ता। संवाद

को स्वस्थ रख सकते हैं। इसी क्रम में प्रकृति का महत्व वृक्षों की उपयोगिता एवं पर्यावरण संरक्षण पर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इसमें 51 पोस्टर, 54 स्लोगन के चार्ट और 20 अन्य पौधों के महत्व से संबंधित फ्लेक्स प्रदर्शित किए गए।

वहीं, विश्व पर्यावरण दिवस पर डॉ. कौशल कुमार ने शोभाकारी और डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी ने पुष्प वाले पौधों के रोपण के बारे में जानकारी दी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ वृक्षारोपण, योग पर हुए व्याख्यान



अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । मा. कुलाधिपति उत्तर प्रदेश आनंदीवेन पटेल जी से प्राप्त निर्देशों एवं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह से प्राप्त मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग) कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में विरासत से विकास योग का प्राचीन ज्ञान और आधुनिक जीवन में महत्व पर एक व्याख्यान का आयोजन प्रो. कौशल कुमार, अधिष्ठाता वानिकी महाविद्यालय एवं प्रो. विवेक कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता उद्यान महाविद्यालय द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता योगसाधक श्री अंशित प्रताप सिंह (अंशित योग संस्थान, कानपुर) के द्वारा छात्रों को योग के इतिहास के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने बताया कि योग लगभग 15000 वर्ष पूर्व भगवान शिव के अवतार आदियोगी के द्वारा हिमालय क्षेत्र में सप्त ऋषियों को दिया गया। उन्होंने आगे बताया कि शरीर में तीन प्रमुख नाड़ीया जिनमें चंद्र नाड़ी (बाई नासिका), सूर्य नाड़ी (दाई नासिका) और सुषुम्ना (सरस्वती नाड़ी), जो हमारे मूलाधार के पास स्थित है, को योग के द्वारा सही रखकर स्वास्थ्य रह सकते हैं। उन्होंने छात्रों को बताया कि हमको रात में 11 से 6.00 बजे के बीच बिस्तर पर होना चाहिए क्योंकि इस समय हमारे शरीर में कई प्रकार की क्रियाएं होती हैं जो हमको रिफ्रेश करती है। इसी क्रम में प्रकृति का महत्व वृक्षों की उपयोगिता एवं पर्यावरण संरक्षण पर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया जिसमें 51 पोस्टर, 54 स्लोगन के चार्ट और 20 अन्य पौधों के महत्व से संबंधित फ्लेक्स भी प्रदर्शित किये गए। विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधों के उपयोग के बारे में डॉ. कौशल कुमार ने तथा शोभाकारी एवं पुष्प वाले पौधों के रोपण के बारे में डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी ने तथा भारतीय

जीआरपी चोरों को



सुरेश राठौर

कानपुर यू एन टी । जीआरपी ने ट्रेनों में मोबाइल और अन्य कीमती सामान चुराने वाले चोरों को गिरफ्तार किया। शातिर चोर मो. समीर और मो. निजाम बेकन गंज कानपुर के निवासी हैं। दोनों

चोरों को

झकरकर के दौरान जीआरपी नारायण शातिर च मोबाइल

विश्व पर्यावरण दिवस अधिकारी एवं स



पुखरायां (कानपुर देहात)। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी अजय कुमार, भाजपा के मंडल अध्यक्ष मुकुल पाण्डेय, आशीष मिश्र, एवं पालिका के सभासदों ने मुख्यमार्ग पुलिस चौकी

के प्रदूषण से अधि मंडल आ का आम किया गय अधिकार स्वच्छ

तीन नाडियों के योग से स्वस्थ रहना संभव

जागरण संवाददाता, कानपुर : योग से संपूर्ण स्वास्थ्य पाया जा सकता है। हमारे शरीर में तीन नाडियां हैं जिन्हें योग से साधा जा सकता है। यह बात गुरुवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के उद्यान महाविद्यालय में एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग पर आयोजित व्याख्यान में योग गुरु अंशित प्रताप सिंह ने कही।

सीएसए के अधिष्ठाता वानिकी महाविद्यालय एवं अधिष्ठाता उद्यान महाविद्यालय प्रो. विवेक त्रिपाठी ने बताया कि कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निर्देश और कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। विरासत से विकास: योग का प्राचीन ज्ञान और आधुनिक जीवन में महत्व पर व्याख्यान का आयोजन प्रो. कौशल कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रकृति का महत्व: वृक्षों की उपयोगिता एवं पर्यावरण संरक्षण पर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया जिसमें 51 पोस्टर, 54 स्लोगन के चार्ट और 20 अन्य पौधों के महत्व से संबंधित सामग्री प्रदर्शित की गई।